

डॉ. डैनियल के. डार्को, जेल पत्र, सत्र 10, सुसमाचार का प्रचार, फिलिप्पियों 1

© 2024 डैन डार्को और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डैन डार्को और जेल पत्रों पर उनकी व्याख्यान श्रृंखला है। यह सत्र 10, सुसमाचार का विस्तार, फिलिप्पियों 1 है।

बाइबिल अध्ययन व्याख्यान श्रृंखला में आपका स्वागत है। हम फिलिप्पियों को देख रहे हैं और परिचय और अध्याय 1 से 11 तक की आयतों को कवर कर चुके हैं। अगर आपको फिलिप्पियों पर पिछले व्याख्यान का अंत याद है, तो मैंने आपको फिलिप्पियों की संरचना से परिचित कराया था, खासकर जैसा कि आप देख सकते हैं, जैसा कि मैंने आपको दिखाया, मैंने आपको यहाँ दिखाने की कोशिश की।

इस संरचना को आम तौर पर एक सिंहावलोकन के रूप में देखा जाता है, और मैंने कुछ बातों को उजागर करने की कोशिश की है। पिछले व्याख्यान के अंत में मैंने आपको जो दिखाने की कोशिश की थी, उसके प्रकाश में पॉल और रोम में उसकी कैद के बारे में सोचना आपके लिए दिलचस्प हो सकता है। पॉल का पूरा आह्वान प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार को दुनिया के कई हिस्सों में फैलाना है।

वास्तव में, वह दावा करता है और बहुत आत्मविश्वास के साथ लिखता है कि उसे गैर-यहूदियों को सुसमाचार सुनाने के लिए बुलाया गया है। इस सुसमाचार के प्रसार के दौरान ही उसे गिरफ्तार किया गया था। यदि आपको प्रेरितों के काम की पुस्तक का अध्ययन या प्रेरितों के काम की पुस्तक का अपना व्यक्तिगत पठन याद है, तो आपने एक सत्र देखा होगा जहाँ पौलुस सुसमाचार फैलाने के लिए मुसीबत में पड़ गया था, और उसे जेल में डाल दिया गया था, और वह वास्तव में कोड़े खाने के लिए तैयार था।

अब, फिलिप्पियों की शुरुआत में वापस जाते हुए, आपको याद होगा कि मैंने उल्लेख किया था कि रोमन नागरिक होने के अधिकार का एक हिस्सा यह है कि आपको कोड़े नहीं मारे जा सकते। पॉल उस अधिकार का आह्वान करने में बहुत चतुर था, कि, वास्तव में, वह खुद एक रोमन नागरिक था। और इसने बहस में एक नया क्षेत्र पेश किया क्योंकि अगर वह परीक्षण के अधीन था और अब उसे दंडित किया जाने वाला था, तो उसने रोमन नागरिकता का आह्वान किया, तो यहाँ कुछ है।

वह कैसर के सामने अपनी बात सुनाने की अपील कर रहा है, और यही बात पौलुस को रोम ले जाने वाली है और उसे कारावास या घर में नज़रबंद होने का अनुभव कराने वाली है। यह सब पौलुस को सुसमाचार फैलाने से रोकने के लिए था। पद 12 से पद 26 तक के अंशों में, जिन्हें हम विशेष रूप से देखेंगे, आप देखेंगे कि फिलिप्पियों में यह कैसे घटित हो रहा है।

पॉल कहने जा रहा है, आप जानते हैं क्या? यदि इच्छित उद्देश्य सुसमाचार के प्रसार को रोकना है, तो अनुमान लगाइए क्या हुआ? यह काम नहीं किया। कारावास में भी, सुसमाचार अभी भी जाना जाएगा। सुसमाचार की शक्ति को कोई भी रोक नहीं सकता।

वह पाठकों का ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित करेगा कि, हाँ, कारावास पीड़ा लाता है, लेकिन मसीह के कारण पीड़ा सहने के लिए, उन्हें पता होना चाहिए कि यह एक योग्य कारण है। इसी भावना से पॉल फिलिप्पी में चर्च के लिए उपयुक्त मॉडल पेश करेंगे। मैंने इस व्याख्यान के परिचय में उल्लेख किया कि फिलिप्पी में, वे इस तथ्य के बारे में अफ़वाहों की आशंका या चिंता कर रहे थे कि कोई यहूदी प्रचारक हो सकता है जो पॉल के सुसमाचार को कमज़ोर करने के लिए किसी अवधारणा के साथ आ सकता है।

लेकिन फिलिप्पी के भीतर रोमन उपनिवेश के रूप में, वे रोमनों के न्यायशास्त्र, रोमन नागरिकता के सभी दबाव, राष्ट्रीय व्यवस्था के गौरव, शहर में रोमन गतिविधियों के उद्भव और प्रभाव, और कैसे वे इसे दबाने के लिए इसका उपयोग करेंगे, विशेष रूप से पहली शताब्दी में, के निरंतर दबाव में थे। यदि आपको अपना इतिहास थोड़ा याद है, तो मुझे कहना चाहिए कि यह चर्च के इतिहास में है, या यदि आप इसे नहीं जानते हैं, तो मैं आपका ध्यान उस ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। रोमन साम्राज्य के इस समय के आसपास, हम एक प्रवृत्ति देखना शुरू कर रहे हैं जहाँ सीज़र खुद को एक देवता के रूप में देखना शुरू कर रहा है जिसकी लोगों को शक्ति और अधिकार में पूजा और सम्मान करना चाहिए।

बाद में ईसाई धर्म में, आरंभिक चर्च को इस उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, जिसमें पूछा गया कि क्या आप सीज़र को प्रभु कहेंगे या आप कहेंगे कि यीशु प्रभु हैं। और ये दो पंक्तियाँ ही आपको स्वतंत्र होने या सताए जाने के लिए पर्याप्त हैं। और इसलिए कल्पना करें कि ये सभी दबाव आ रहे हैं, और सम्राट की पूजा अब फिलिप्पी में है।

मसीही दबाव में थे। पौलुस चाहता था कि उन्हें पता चले कि ऐसे उपयुक्त आदर्श हैं जो दुख से गुज़रे हैं और दुख में अनुग्रह देखा और दिखाया है। यह दबाव और पीड़ा उन लोगों को नहीं रोकनी चाहिए और न ही रोकेगी जिन्हें परमेश्वर के कार्य के लिए बुलाया गया है।

मैं आपको एक बड़े शब्द, मिमिसिस से परिचित कराने ही वाला था, जो एक प्राचीन उपकरण है जो किसी नेता या किसी उपयुक्त व्यक्ति को लोगों के अनुसरण के लिए एक अच्छे मॉडल के रूप में पेश करने का प्रयास करता है। और हम इसे फिलिप्पियों में, विशेष रूप से फिलिप्पियों के अध्याय दो और अध्याय तीन में देखेंगे; हम देखेंगे कि पौलुस संदेश को व्यक्त करने के लिए इन सबका उपयोग कैसे कर रहा है। पौलुस नहीं चाहता कि कलीसिया को यह डर हो कि उसकी कैद परमेश्वर के कार्य में बाधा डाल रही है या उसे बाधित कर रही है।

वह नहीं चाहता कि वे ऐसी स्थिति में आँ जहाँ वे पीछे बैठकर कहें, ओह, बेचारा पॉल। वह प्रभु यीशु मसीह की खुशखबरी सुनाने के लिए फिलिप्पी आया था और सीलास के साथ गिरफ्तार हो गया। उसने यहीं बहुत कुछ सहा, और अब वह जेल में है।

सुसमाचार का प्रचार बंद होने जा रहा है। नहीं, पॉल उन आशंकाओं को कम करना चाहता है और उन्हें बताना चाहता है कि वास्तव में, कारावास ने सुसमाचार के प्रसार में बाधा नहीं डाली है। एक ब्रिटिश विद्वान, एफएफ ब्रूस, फिलिप्पियों पर अपनी टिप्पणी में इसे इस तरह से कहना पसंद करते हैं।

वह, पॉल, एक प्रतिष्ठित कैदी था, एक रोमन नागरिक, अपने मामले की सुनवाई सम्राट द्वारा करवाने के लिए अपने विशेषाधिकार का प्रयोग कर रहा था और यह सुनिश्चित कर रहा था कि उसके संपर्क में आने वाला हर व्यक्ति यह जान सके कि वह सुसमाचार के कारण घर में नजरबंद था, न कि विध्वंसकारी राजनीतिक गतिविधि या आपराधिक आचरण के कारण। इस बात पर, पॉल उन आयतों में उच्च स्तर की स्पष्टता के साथ स्थापित करने का प्रयास करने जा रहा है, जिन्हें हम जल्द ही देखने जा रहे हैं कि, वह सुसमाचार के लिए जेल में है। और अगर किसी ने सोचा कि सुसमाचार को इसलिए कैद किया जाएगा क्योंकि वह जेल में है, तो वे खुद को मूर्ख बना रहे थे।

यह काम नहीं करेगा। तो, आइए फिलिप्पियों अध्याय 1 की आयत 12 से 18 तक देखें। और पौलुस लिखता है, मैं चाहता हूँ कि तुम जान लो, भाइयों, कि मेरे साथ जो हुआ है, उससे वास्तव में सुसमाचार को बढ़ावा मिला है, ताकि यह पूरे शाही पहरेदारों में और मेरे कारावास के बाकी समय को मसीह के लिए जाना जाए।

और मेरे कैद होने से प्रभु में भरोसा पाकर अधिकांश भाई निडर होकर वचन सुनाने में और भी अधिक साहसी हो गए हैं। कुछ लोग ईर्ष्या और प्रतिद्वंद्विता से मसीह का प्रचार करते हैं, लेकिन अन्य लोग सद्भावना से। दूसरे लोग प्रेम से ऐसा करते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि मुझे सुसमाचार की रक्षा के लिए यहाँ रखा गया है।

पहले वाला स्वार्थी महत्वाकांक्षा से मसीह की घोषणा करता है, ईमानदारी से नहीं, बल्कि मुझे कैद में कष्ट पहुँचाने की सोच से। तो फिर क्या? सिर्फ इतना कि हर तरह से, चाहे दिखावे में हो या सच्चाई में, मसीह की घोषणा की जाती है। और यही है कि मैं आनन्दित हूँ।

वाह। तो, आइए एक नज़र डालते हैं कि कैसे पॉल अपने कारावास को सुसमाचार की शक्ति से जोड़ता है, इस स्पष्टता के साथ स्थापित करता है कि सुसमाचार को कैद नहीं किया गया था। पॉल कहते हैं कि उनका कारावास सुसमाचार को आगे बढ़ा रहा है।

अलग-अलग तरीकों से कहें तो, जेल की दीवारों ने सुसमाचार की प्रगति में बाधा नहीं डाली है। वास्तव में, जेल के पहरेदार और बाकी सभी लोग जानते हैं कि वह जेल में क्यों है। वास्तव में, यही बात पौलुस पद 12 में कह रहा है।

जेल में रहने से उसे यह बताने का अवसर मिला कि यीशु मसीह दुनिया में क्यों आए, वह खुद को जेल में क्यों पाया, और शायद दमिश्क के रास्ते पर उसके साथ जो हुआ, उसके बारे में कहानी को फिर से बताने का अवसर मिला। तरसुस का एक प्रथम श्रेणी का शिक्षित युवक, जिसे यरूशलेम में रब्बी गमलिएल के अधीन शिक्षा प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त था, जो फरीसी नामक यहूदी आंदोलन में अनुशासन के उच्चतम रूप का अभ्यास करता था। एक फरीसी के

रूप में, वह एक साधारण व्यक्ति नहीं था, जो चर्च को सताने और सुसमाचार को आगे बढ़ने से रोकने के लिए प्रतिबद्ध था।

दमिश्क के रास्ते में वह नासरत के यीशु मसीह के संपर्क में आया। इससे उसका जीवन बदल गया और उसे एक नया मिशन मिला, दुनिया भर में यीशु मसीह की घोषणा करने का मिशन, खास तौर पर और खासकर गैर-यहूदियों के लिए। पौलुस ने कहा कि उसकी कैद ने अब उसे जेल के पहरेदारों और आस-पास के लोगों को यह बताने का मौका दिया है कि, वास्तव में, यीशु दुनिया को बचाने के लिए आया था।

उनमें से वह भी एक है। वह एक समय में सताने वाला था, और अगर उन्हें लगता था कि वे अपना काम कर रहे हैं, तो पौलुस भी उस तरह का काम करता था, ताकि सुसमाचार को आगे बढ़ने से रोका जा सके। सुसमाचार को रोका नहीं गया है।

इसे पॉल रोक नहीं सका, और रोमन कारावास ने इसे नहीं रोका। यह आगे बढ़ रहा है, और पॉल कहता है कि उसके आस-पास के जेल प्रहरियों और बाकी सभी को उसे सुनने का अवसर मिला है। वाह।

पौलुस अपने कारावास के बारे में बताते हुए कहते हैं: यदि इसका उद्देश्य वास्तव में लोगों को रोकना या प्रभु यीशु मसीह में भाइयों के बीच उनके बुलावे और यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार करने के उनके मिशन के बारे में अत्यधिक भय पैदा करना था, तो यह ऐसा नहीं कर सकता था। वास्तव में, उनके कारावास ने उन्हें प्रेरित किया है। मैं आपको एक और आधुनिक उदाहरण देता हूँ।

हम सभी ने अल-कायदा के बारे में सुना है। हमने अल-कायदा के बारे में सुना है, और मैं उनकी स्थिति से अधिक असहमत नहीं हो सकता। इस्लामी कट्टरपंथी आंदोलनों ने वास्तव में हमारी दुनिया को अधिक नुकसान पहुंचाया है, और यह कुछ ऐसा है जिसे हमें तैनात करना चाहिए और तैनात करना चाहिए और इसे रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।

लेकिन मैं आपको बता दूँ कि यहां क्या हो रहा है। आप देखिए कि अल-कायदा, आज के संदर्भ में, आज के आतंकवादी संदर्भ में, यह समझ गया है कि जितना अधिक वे हिंसा करते हैं, उतना ही वे अपने समर्थकों को प्रेरित करते हैं, और उतना ही अधिक वे लोगों को अपने उद्देश्य का पालन करने के लिए प्रेरित करते हैं। यह इस हद तक दुखद है कि अफ्रीका में, जैसा कि हम इस समय इन व्याख्यानों को पढ़ रहे हैं, हमारे पास उत्तर-पूर्वी नाइजीरिया में अल-कायदा से जुड़े बोको हराम द्वारा लड़कियों का अपहरण किया गया है।

लेकिन उस तरह की गतिविधि के बारे में सोचें और इसके सकारात्मक पहलू के बारे में सोचें। पौलुस की कैद, लोगों में डर पैदा करने के बजाय, अब प्रभु यीशु मसीह में विश्वास करने वालों को उनके विश्वास के बारे में हिम्मत दे रही है, और यह उनमें सुसमाचार फैलाने के लिए और अधिक जोश पैदा कर रही है। और अधिक लोग मसीह के लिए मरने के लिए तैयार होंगे।

और भी लोग मसीह के लिए कैद होने के लिए तैयार होंगे। पॉल इसी दौर से गुज़र रहा है। यह एक सार्थक कारण है।

यह ऐसी चीज़ है जिस पर विश्वास किया जाना चाहिए और जिसे थामे रहना चाहिए। कारावास ने विश्वासियों को प्रचार करने के लिए प्रोत्साहित किया है। अपनी परीक्षा को फिर से देखें, निडर होकर, पूरी हिम्मत से।

वाह! वाह! देखो अब क्या हुआ है।

पौलुस अपने कारावास से संबंधित कुछ और बताने जा रहा है। यह जानना बहुत अच्छा है कि उसके कारावास से क्या-क्या हुआ, लेकिन यह जानना भी अच्छा है कि, वास्तव में, उसके कारावास ने सुसमाचार के प्रचार को नहीं रोका है। जब वह जेल में था, तो लोगों को मसीह का प्रचार करने का साहस मिला, और जैसा कि मैं आपको कुछ मिनटों में पद 15 में दिखाऊंगा, कुछ लोग स्वार्थी उद्देश्यों से भी प्रचार करने जा रहे हैं।

पॉल फिर से और दूसरी बार कहेगा कि वे अभी भी मसीह का प्रचार करते हैं, और वह हमें अपना निष्कर्ष बताएगा। वाह। इससे पहले कि हम आयत 12 से 18a में क्या हो रहा है, उसके मुख्य सार पर वापस जाएँ, मैं आयत 13 में इस्तेमाल की गई भाषा के बारे में कुछ स्पष्ट करने की कोशिश करूँगा।

मैं चाहता हूँ कि आप जानें, भाइयों, पद 12 में, कि मेरे साथ जो हुआ है, वह वास्तव में सुसमाचार को आगे बढ़ाने के लिए काम आया है। पद 13 इस प्रकार है, इसलिए यह पूरे शाही रक्षक दल में जाना जाता है। वह शब्द शाही रक्षक, उस विचार को और बाकी सभी को थामे रहो कि मेरा कारावास मसीह के लिए है।

इंपीरियल गार्ड का अनुवाद ग्रीक शब्द माउथफुल शब्द प्रेटोरियम है। यह एक ऐसा शब्द है जो न्यू टेस्टामेंट में पूरी तरह से नहीं दिखाई देता है। यह कुछ क्षेत्रों में दिखाई देता है, लेकिन यह शब्द, जैसा कि यहाँ इस्तेमाल किया गया है, विद्वानों में एक बहस का विषय है।

तो, इस समय आप जिस अनुवाद का उपयोग कर रहे हैं, उसके आधार पर आप देखेंगे कि कुछ लोग इसका अनुवाद इस तरह करेंगे जैसे कि यह किसी स्थान को संदर्भित करता है, और कुछ लोग इसका अनुवाद इस तरह करेंगे जैसे कि यह किसी सैन्य बल को संदर्भित करता है। आप उस शब्द की व्याख्या कैसे करते हैं, यह तय करने में क्या शामिल है? अब, यदि आप कहते हैं, यदि आप इसका अनुवाद इस तरह करते हैं कि उसकी कैद ने वास्तव में उसे गवर्नर के महल, प्रेटोरियम में सुसमाचार फैलाने की अनुमति दी है, तो आप कहेंगे कि उसकी कैद ने आपको भौगोलिक सेटिंग में सुसमाचार फैलाने का अवसर दिया। लेकिन यदि आप इसका अनुवाद करते हैं या इसे शाही रक्षकों के संदर्भ में समझते हैं, तो आप एक विशिष्ट समूह के साथ व्यवहार कर रहे हैं।

तो चलिए मैं आपको इस पर अलग-अलग विचार बताता हूँ। प्रेटोरियम, या यहाँ इस्तेमाल किया गया शब्द, नए नियम में और भी कई जगह और खास तौर पर मार्क 15 पद 6 में जॉन 18:28,

जॉन 18:33 और प्रेरितों के काम 23:35 में आता है; इस शब्द का इस्तेमाल गवर्नर के निवास को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। सुसमाचारों में, आप पिलातुस के निवास का उल्लेख ज्यादा देखेंगे।

यह शब्द सम्राट के अंगरक्षकों या उस स्थान को भी संदर्भित कर सकता है जहाँ अंगरक्षक रहते हैं, जैसे कि गवर्नर के महल के पास बैरक। हालाँकि, यहाँ क्या हो रहा है, जब हम संदर्भ को देखते हैं, तो प्राचीन काल में शब्द का तीसरा अर्थ या उपयोग यहाँ दिखाई देता है, एक विशिष्ट समूह, एक कुलीन सैन्य बल का जिक्र करते हुए जो वास्तव में गवर्नर या सम्राट के महल की रखवाली करता है। आप जानना चाहते हैं कि सम्राट के महल की रखवाली करने वाला यह कुलीन समूह वास्तव में इतना कुशल कुलीन समूह है कि वे हर चार घंटे में अपनी शिफ्ट बदलते हैं।

आप हर चार घंटे में पूछना चाहेंगे, क्यों? अब, मुझे खुशी है कि आपने यह पूछा। मैं आपको यह समझाने की कोशिश करता हूँ। और शायद मुझे इसे घर पर भी लाना चाहिए ताकि आप वास्तव में इस पर विचार कर सकें और इसका अच्छी तरह से पालन कर सकें।

मुझे यह बात सच में नहीं पता, लेकिन कोई मुझे बता रहा था कि ड्रग्स के लिए कुछ सूंघने वाले कुत्ते वास्तव में लगभग एक घंटे तक काम करते हैं, और वे इतने थक जाते हैं कि आपको उन्हें दूर ले जाना पड़ता है और उन्हें ठीक होने में मदद करनी पड़ती है और दूसरे दिन वापस लाना पड़ता है। दूसरे शब्दों में, उन्हें बहुत ही सूक्ष्म, विस्तृत काम के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, और वे सिर्फ एक घंटे तक काम करने में सक्षम होते हैं। अब, शाही अभिजात वर्ग के लिए, उन्हें एक घंटे के लिए, एक बार में चार घंटे के लिए वहाँ रखा जाता है, क्षमा करें, क्योंकि उन्हें सतर्क और जागृत रहने की आवश्यकता होती है, और यही वह समय होता है जब वे सतर्कता के साथ अपना ध्यान रख सकते हैं।

अब, अगर आप लंदन में रहे हैं और बकिंगहम पैलेस या इनमें से कुछ जगहों पर गए हैं जहाँ ब्रिटिश लोग खड़े हैं, तो कभी-कभी वे वहाँ खड़े होते हैं, और वे मूर्तियों की तरह दिखते हैं। वे एक इंच भी नहीं हिलते। इसके लिए उच्च स्तर की एकाग्रता और प्रयास की आवश्यकता होती है, लेकिन आप इसे एक निश्चित समय तक बनाए रखने में सक्षम होते हैं, और इसलिए गार्ड की अदला-बदली होती है।

शाही कुलीन सैनिकों के लिए, चार घंटे अधिकतम समय है जो वे उच्च स्तर की बुद्धिमत्ता, योग्यता और जागरूकता के साथ जीवित रह सकते हैं जो उनके लिए आवश्यक है। अब, पॉल को इन लोगों को अपनी जेल की रखवाली करने का अवसर मिल सकता है क्योंकि, अंदाज़ा लगाइए क्या? हर चार घंटे में, एक उपदेश के लिए दर्शक होते हैं। हर पादरी को यह पसंद आएगा।

वे बदल जाएंगे, और वे बातचीत में शामिल हो जाएंगे, और वह कहेगा, तो तुम यहाँ क्यों आए हो? और यह उच्च शिक्षित ईसाई नेता उन्हें प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार की सरलता के बारे में बताता है। पॉल के अपने शब्दों में, उसके कारावास के कारण महान चीजें हो रही हैं। सुसमाचार कैद नहीं है।

फिलिप्पी के मसीहियों, मेरी चिंता मत करो। मेरे कारावास के बावजूद सुसमाचार आगे बढ़ रहा है। फिलिप्पियों पर अपनी टिप्पणी में हैनसेन लिखते हैं कि महल के रक्षकों के बारे में पॉल का संदर्भ रोमन सैनिकों के सबसे कुलीन समूह की ओर इशारा करता है जो सीज़र के लिए एक विशेष अंगरक्षक के रूप में काम करते थे।

मेरी वर्तनी ठीक से न लिखने के लिए क्षमा करें। 9,000 कुलीन सैनिकों का यह समूह कभी-कभी सीज़र पर भी नियंत्रण रखता था। वास्तव में, उन्होंने सीज़र को पदच्युत किया और पदोन्नत किया।

कैलीगुला या जिसे आप ऑगस्टीन के सम्राट के रूप में जानते हैं, की हत्या के बाद, उन्होंने क्लॉडियस को सिंहासन पर बिठाया। बाद में, उन्होंने नीरो के शासन की दिशाएँ तय कीं। लेकिन सीज़र के अंगरक्षक पॉल को डरा नहीं सके।

उसने कैसर या कैसर के अंगरक्षक से भी ऊँची शक्ति स्थापित की। वह उस व्यक्ति का प्रतिनिधि था जिसे परमेश्वर ने प्रभु के रूप में सार्वभौमिक पूजा प्राप्त करने के लिए उंचा किया था। वह है, और वह प्रभु यीशु मसीह का प्रतिनिधि था।

पॉल ने बात करना बंद नहीं किया है। उसने प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार के बारे में अपनी स्थिति से समझौता नहीं किया है। जैसा कि जेम्स मोंटगोमरी आगे बताएंगे, दुख के माध्यम से सुसमाचार के प्रसार के बारे में पॉल के शब्दों ने गैर-ईसाइयों और विश्वासियों पर उनके जीवन के प्रभाव को प्रकट किया।

और विश्वासियों को सुसमाचार का प्रचार करने का साहस मिला। यह सब उत्साहवर्धक है, लेकिन एक और बात कही जानी चाहिए। अगर ये बातें आपके जीवन में सच हैं, तो आपको दुखों को प्रभु के करीब आने देना चाहिए।

यह विपरीत भी कर सकता है। यह आपको दूर खींच सकता है। यह आपके दिल को कड़वा कर सकता है और आपके अंदर एक शिकायतकर्ता पैदा कर सकता है जहाँ एक विजयी मसीही होना चाहिए।

दूसरे शब्दों में, अगर पॉल के पास जेल में भी साहस, उत्साह और खुशी होती, जैसा कि वह इस अंश में भी कहेगा, तो मैं इस पर बहुत खुश होता। अगर उसके पास वह सब उत्साह होता, तो जेम्स पूछ रहा था, जेम्स मोंटगोमरी, अगर हम, ईसाई होने के नाते, खुद को दुख का सामना करते हुए पाते, तो हमारा व्यवहार और हमारा रवैया क्या होता? फिलिप्पियों की ओर जाने से पहले ही उसका सुझाव है कि दुख हमें मजबूत, साहसी और बेहतर ईसाई बनने के लिए सशक्त बनाता है। या यह हमें कुचलने और हमें अंदर से टूटने और परमेश्वर से दूर ले जाने का एक तरीका है।

हम यहाँ पौलुस से कुछ सीख सकते हैं। मसीही के लिए कष्ट, भले ही चारों ओर जेल की दीवारें हों, भले ही वह अपने चारों ओर भौतिक पहरेदारों को देखता हो जो यह सुनिश्चित करते हैं कि उसे पूरी तरह से कैद में रखा जाए, वह निराश नहीं होता। वह निराश महसूस नहीं करता, और उसे ऐसा नहीं लगता कि परमेश्वर ने उसे त्याग दिया है।

अगर मैंने एक बार यह कहते सुना है, तो परमेश्वर के साथ शांति संघर्ष की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि परिस्थिति में आपके साथ परमेश्वर की उपस्थिति है। शायद आप इस बारे में सोचें कि परमेश्वर, पौलुस, उसके कारावास से क्या बना रहा है और पूछें, मैं अपनी कठिन परिस्थितियों से क्या बना रहा हूँ जैसा कि मैं इसे देख सकता हूँ? फिलिप्पियों अध्याय 1, श्लोक 12 से 14, जो मैं समझाने की कोशिश कर रहा हूँ, उस पर आपकी याददाश्त ताज़ा कर दूँ। पौलुस लिखता है, मैं चाहता हूँ कि तुम जानो, भाइयों, कि मेरे साथ जो हुआ है, उसने वास्तव में सुसमाचार को आगे बढ़ाने का काम किया है ताकि यह पूरे शाही रक्षक और बाकी सभी को पता चल जाए कि मेरा कारावास मसीह के लिए है।

और ध्यान दें कि मैंने आपके लिए वहाँ क्या लिखा है। और अधिकांश भाई, मेरे कारावास के कारण प्रभु में आश्वस्त होकर, बिना किसी डर के वचन बोलने के लिए और भी अधिक साहसी हो गए हैं। इस अंश में दो बार भाइयों के संदर्भ पर ध्यान दें, और फिर, जब हम अध्याय 2 में जाते हैं, तो ध्यान दें कि उसने परमेश्वर के बच्चों का कैसे उल्लेख किया।

मैंने इस व्याख्यान में बताया कि भाई-बहन की भाषा का उपयोग कैसे किया जाता है, और पौलुस द्वारा एक दूसरे के प्रति एकजुटता और स्नेह दिखाने के लिए काल्पनिक रिश्तेदारी का उपयोग किया जाता है। लेकिन इस बारे में सोचें कि मैंने आपके लिए अंतिम पंक्ति में क्या चिह्नित किया है क्योंकि हम पद 15 पर चर्चा करने के लिए आगे बढ़ते हैं। अधिकांश भाई, मेरे कारावास से प्रभु में आश्वस्त हो गए हैं, बिना किसी डर के वचन बोलने के लिए बहुत अधिक साहसी हैं।

ध्यान दें कि वह उन्हें मेरे अधिकांश भाइयों के रूप में संदर्भित करता है। और उस विचार को पकड़ो क्योंकि मैं उस पर वापस आऊंगा। श्लोक 15 में लिखा है, कुछ लोग मसीह का प्रचार करते हैं, यानी मेरे अधिकांश भाई, कुछ लोग ईर्ष्या और प्रतिद्वंद्विता से मसीह का प्रचार करते हैं, लेकिन अन्य सद्भावना से।

ये लोग प्रेम के कारण मसीह का प्रचार करते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि मुझे सुसमाचार की रक्षा के लिए यहाँ रखा गया है। अन्य लोग स्वार्थी महत्वाकांक्षा के कारण मसीह का प्रचार करते हैं, ईमानदारी से नहीं, बल्कि मेरे कारावास में मेरी पीड़ा को बढ़ाने के इरादे से। इससे क्या फर्क पड़ता है? बस इतना ही कि मसीह का प्रचार हर तरह से किया जाता है, चाहे झूठे इरादों से हो या सच्चे इरादों से।

और इस बात से मुझे खुशी मिलती है। इस बारे में सोचिए। और फिर वह यह कहकर समाप्त करता है, हाँ, और मैं खुशी मनाता रहूँगा।

क्या आप इसी बात पर खुश हैं? इससे पहले कि हम इस अंश को समझें, मैं आपको एक पैटर्न दिखाता हूँ कि कैसे वफादार और बेवफा लोगों ने इसे संभाला। मेरे एक बहुत अच्छे सहयोगी ने फ्रैंक टिलमैन नाम से अपनी टिप्पणी में इस संरचना को स्थापित किया। फ्रैंक वास्तव में इस व्याकरणिक संरचना की ओर हमारा ध्यान बहुत अच्छी तरह से आकर्षित करते हैं, कि पॉल के दोस्त मसीह का प्रचार करते हैं। लेकिन अंदाज़ा लगाइए? पॉल के प्रतिद्वंद्वी भी मसीह का प्रचार करते हैं।

पॉल के मित्र सद्भावना से प्रचार करते हैं। पॉल के प्रतिद्वंद्वी ईर्ष्या और प्रतिद्वंद्विता से प्रचार करते हैं। पॉल के मित्र प्रेम से प्रचार करते हैं।

पॉल के प्रतिद्वंद्वी स्वार्थी महत्वाकांक्षा से प्रेरित होकर प्रचार करते हैं, ईमानदारी से नहीं। पॉल के दोस्त जानते हैं कि पॉल के प्रतिद्वंद्वी नुकसान पहुँचाने का इरादा रखते हैं या ऐसा करने वाले हैं। देखिए, पॉल के दोस्त जानते हैं कि उसे सुसमाचार की रक्षा के लिए वहाँ रखा गया था।

लेकिन पौलुस के प्रतिद्वंद्वियों का मकसद क्या था? वे उसकी तकलीफ़ बढ़ाना चाहते थे। वे उसकी कैद का फ़ायदा उठाना चाहते थे। इस बारे में सोचिए।

सोचिए कि आप किसी चर्च के वरिष्ठ पादरी हैं और किसी कारणवश आप बीमार पड़ जाते हैं। या किसी कारणवश आपको लंबे समय तक शहर से बाहर रहना पड़ता है। या किसी कारणवश या आपने कोई गलत निर्णय लिया और आप परेशानी में हैं, इसलिए आपको कुछ समय के लिए दूर रहना पड़ता है और फिर वापस लौटना पड़ता है।

और फिर पीछे से कुछ लोगों ने कहा, चलो उसके पीछे छोड़े गए अच्छे काम को आगे बढ़ाते हैं। और फिर दूसरे लोग कहते हैं, यह हमारा मौका है। यह हमारे लिए मौका है कि हम उसके पैर, गर्दन, कंधे काट दें, इससे पहले कि वह आए।

पॉल यही अनुभव कर रहा था। दरअसल, वे ऐसा ही कर रहे हैं। पॉल ने दुर्भावना शब्द का इस्तेमाल किया है। वे स्वार्थी महत्वाकांक्षा से प्रेरित होकर उपदेश देते हैं।

मैं आपका ध्यान इन प्रचारकों की विशेषताओं की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। मैंने आपको पहले ही याद दिलाया था कि पौलुस उन्हें भाई कहता है। क्या आप ऐसे लोगों को भाई कहते हैं? क्या आप ऐसे लोगों से इतना प्यार करेंगे कि आप कहेंगे कि वे मसीह यीशु में भाई हैं? या क्या वे ऐसे लोग हैं कि अगर आप पौलुस होते तो आप उन्हें शाप देते? पौलुस ने हमें उनके बारे में यही बताया था।

वह उन्हें ऐसे भाई कहता है जो मसीह का प्रचार करते हैं। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि वे स्वार्थी उद्देश्यों से प्रचार करते हैं। पौलुस नहीं चाहता कि हम एक बात को नज़रअंदाज़ करें।

यह उसके बारे में नहीं है। यह मसीह के बारे में है। वे मसीह का प्रचार करते हैं।

उनके इरादे अशुद्ध हैं, लेकिन वे मसीह का प्रचार करते हैं। यदि आप मेरे जैसे होते, तो आपने एक या दो टेली-इंजीलवादियों को मसीह का प्रचार करते हुए सुना होता और बीच-बीच में सभी तरह की नौटंकी करते और सभी तरह की चालाकीपूर्ण रणनीति का इस्तेमाल करते हुए इस हद तक कहा होता कि मैं इस व्यक्ति को मरवाना चाहता हूँ या वहाँ से निकल जाना चाहता हूँ। यदि आप मेरे जैसे होते, तो आपने कुछ ईसाई नेताओं को ऐसी चीजें करते और दिखाते हुए देखा होता, जिनसे स्पष्ट रूप से उनके इरादे संदिग्ध हो सकते थे।

लेकिन वे अभी भी यीशु के पापियों के लिए मरने के बारे में बताते हैं। पॉल कहते हैं, मैं उन्हें कुचलने वाला पहला व्यक्ति नहीं हूँ, लेकिन इस बारे में कोई गलती न करें। यह उन अन्य विरोधियों के समान नहीं है जिनका सामना पॉल ने अन्यत्र किया था जो लोगों को मसीह से दूर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं।

पॉल, उनमें से कुछ को शैतान के हवाले करना चाहते हैं। मेरा मतलब है, अगर आप पॉल को मौका दें, तो वह इस मामले को सबसे कठोर तरीके से निपटाएगा। लेकिन जो लोग मसीह का प्रचार करते हैं और स्वार्थी लगते हैं, पॉल कहते हैं, वे अभी भी मसीह में भाई-बहन हैं।

वे ईर्ष्या और प्रतिद्वंद्विता से प्रेरित थे। आइए एक मिनट के लिए उन दो शब्दों पर गौर करें। वे दूसरे लोगों के कामों से ईर्ष्या करते हैं, और वे खुद को दूसरों पर थोपना या थोपना चाहते हैं।

ईर्ष्या उन्हें इस बात के लिए प्रेरित करती है कि वे मसीह के नाम पर कैसे खड़े होते हैं और क्या करते हैं। उनके पास एक उच्च डिग्री और भावना है कि उन्हें अन्य लोगों की तुलना में बेहतर होना चाहिए, या वे इस बात से ईर्ष्या करते हैं कि दूसरे लोग क्या कर रहे हैं। और दूसरे शब्द पर गौर करें, प्रतिद्वंद्विता।

हम अमेरिका में इन व्याख्यानों को रिकॉर्ड कर रहे हैं। तो मैं आपको बता दूँ कि हम अमेरिका में इसे क्या कहेंगे। हम इसे प्रतिस्पर्धा कहेंगे, नकारात्मक प्रतिस्पर्धा।

उनमें प्रतिद्वंद्विता की भावना है, शायद वे सोचते हैं कि वे पॉल के साथ किसी तरह की प्रतिस्पर्धा में हैं और उन्हें जीतना है। मैं आपको पॉलिन धर्मशास्त्र में एक खास बात याद दिलाना चाहता हूँ। पॉल के लिए, जीवन प्रतिस्पर्धा के बारे में नहीं है।

पॉल के लिए, प्रतिद्वंद्विता अनावश्यक है। पॉल के लिए, उनके व्यापक धर्मशास्त्र में, हममें से प्रत्येक को ईश्वर से विशिष्ट उपहार दिए गए हैं। और ईश्वर ने हमें जो उपहार दिया है, उसका उपयोग शरीर और आम भलाई के लिए किया जाना चाहिए।

पॉल के अनुसार, हममें से किसी के पास सभी उपहार नहीं हैं। वास्तव में, हमें सभी को एक समग्र संपूर्ण होने की आवश्यकता है जिसे परिभाषित करने के लिए वह रूपक शरीर का उपयोग करेगा। तो बस इसके बारे में सोचो।

पॉल के लिए, यदि हाथ सिर से प्रतिस्पर्धा करने की कोशिश कर रहा है, तो यह कैसा दिखेगा? जैसा कि आपने 1 कुरिन्थियों 12 में कहा है। प्रतिद्वंद्विता महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन पॉल हमारा ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित कर रहा है कि उसका धार्मिक ढांचा प्रेम और संगति और संगति और भाईचारे का है, जो इस तथ्य को नकारता नहीं है कि परमेश्वर की कलीसिया में प्रतिद्वंद्विता मौजूद है। लेकिन वह उन लोगों को दुश्मन नहीं कहेगा जो मसीह का प्रचार करते हैं और फिर भी कुछ हद तक ईर्ष्या और प्रतिद्वंद्विता का अभ्यास करते हैं।

वह उन्हें भाई कहेगा। वह आगे कहेगा कि वे कपटी हैं। हम रोम में उसकी कैद का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

इसे पॉल के शब्दों में नहीं, बल्कि मेरे शब्दों में कहें तो, शायद उनकी सबसे हालिया मीटिंग में कहा गया था, इस पॉल आदमी को शायद मार दिया जाना चाहिए ताकि हम अगले पॉल की तरह वहां मौजूद हो सकें। यह पॉल आदमी बहुत प्रसिद्ध है। ऐसा कैसे हो सकता है कि वह इतना प्रसिद्ध है और हम नहीं? हम उसकी तरह जाने जाना चाहते हैं, और हम उसका सम्मान और अधिकार प्राप्त करना चाहते हैं।

वह कौन है? वह खुद को क्या समझता है? हमें वह बनना है। खैर, इस बारे में सोचें कि पॉल इन लोगों को कैसे योग्य बनाता है और खुद से पूछें, अगर आप ऐसे लोगों को जानते हैं जो ईर्ष्या और प्रतिद्वंद्विता से मसीह का प्रचार करते हैं और जो निष्ठाहीन हैं, तो क्या वे उन पहले लोगों में से हैं जिनसे आप मिलेंगे और गले मिलेंगे और कहेंगे, अद्भुत भाई, अद्भुत बहन। मुझे खुशी है कि हम अभी मिले हैं।

आप महान हैं। चलो कुछ समय साथ में बिताते हैं। क्या आप अपनी सांस रोककर 30 मिनट तक बिना किसी को सही करने या उनके साथ दुश्मन जैसा व्यवहार करने की कोशिश किए बिना बात कर पाते हैं? पॉल कहते हैं, रुकिए।

बड़ी तस्वीर के बारे में सोचें। कभी-कभी प्रचारकों या ईसाइयों में कुछ नकारात्मक गुण हो सकते हैं, लेकिन अगर उनका मूल आधार और उनका मुख्य संदेश मसीह और उनका क्रूसित होना है, तो उन्हें समय दें। यह मुझे प्रेरितों के काम की पुस्तक में एक घटना की याद दिलाता है जब अपोलोस नाम का एक प्रचारक आया और उसने एक शक्तिशाली उपदेश दिया।

प्रेरितों के काम 18 में अपोलोस एक बहुत ही वाक्पटु व्यक्ति था। उसने यूनानी वक्तृत्वकला के सभी कौशल सीखे थे, जिनके बारे में मैं आपको इस व्याख्यान में पहले बता रहा था, और वह वाक्पटुता से बोलता था, प्रेरितों के काम में कहा गया है, लेकिन उसके पास बहुत ही भयानक धर्मशास्त्र था। प्रिस्किल्ला और अक्विला ने उसे अपने साथ ले लिया, और वे धीरे से उसकी मदद करने में सक्षम थे।

अगली बार जब हमने अपोलोस के बारे में सुना, तो वह वास्तव में ईसाई धर्म में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति था जिसका नाम 1 कुरिन्थियों में इस तरह से उल्लेख किया गया था कि लोगों को लगा कि उन्हें उसका या पॉल या पीटर का अनुसरण करना चाहिए। पॉल कहते हैं कि कुछ लोग स्वार्थी महत्वाकांक्षा से प्रचार करते हैं, लेकिन वे मसीह, अनुग्रह का प्रचार करते हैं। वे मसीह का प्रचार करते हैं, और हमें उन तक पहुँचने और उनके साथ भाई-बहनों जैसा व्यवहार करने में सक्षम होना चाहिए।

मेरे एक मित्र ने हाल ही में चर्च में अनुग्रह और मुद्दों के बारे में बात करते हुए एक कहानी सुनाई। वह एक ऐसे व्यक्ति के बारे में बात करता है जो उसके चर्च में आया था जहाँ वह पादरी था और एक आदमी बहुत परेशान था, और उसने उससे पूछा, क्या आप इस चर्च के पादरी हैं? और मित्र ने कहा, एक पल के लिए, मुझे नहीं पता था कि क्या कहना है क्योंकि मुझे नहीं पता था कि अगर मैंने हाँ कहा, तो वह मुझे पीटेगा या नहीं। लेकिन फिर उसने कहा, मैंने आगे बढ़कर हाँ कह दिया।

उसने कहा, तो क्या मेरी पत्नी भी तुम्हारे चर्च में है? उसने कहा हाँ। क्या तुम मेरी पत्नी को जानते हो? मेरी पत्नी ऐसी है, मेरी पत्नी वैसी है, और उसने अपनी पत्नी के बारे में सभी तरह की भयानक बातें गिननी शुरू कर दीं। और दोस्त ने कहा कि जितना ज़्यादा वह अपनी पत्नी के बारे में भयानक बातें बताता, उतनी ही उसकी मुस्कान बढ़ती जाती।

उसने देखा कि वह आदमी हैरान था कि क्या हो रहा है, इसलिए उसने रुककर उससे पूछा कि क्यों। और मेरे एक दोस्त ने कहा कि तुम समझ नहीं रहे हो। हम अपने चर्च में बिल्कुल ऐसे ही लोगों को चाहते हैं क्योंकि चर्च परिपूर्ण लोगों के लिए नहीं है।

चर्च उसके जैसे लोगों से बना है, और परमेश्वर आपके जीवन में काम कर रहा है। इंतज़ार करें और देखें कि परमेश्वर आपकी पत्नी के जीवन में कैसे काम करता है। और अगर आपको कुछ अच्छी चीज़ें दिखें, तो आइए हम सब मिलकर खुशियाँ मनाएँ।

वाह! पौलुस कहता है कि कुछ लोग स्वार्थी उद्देश्यों, ईर्ष्या और प्रतिद्वंद्विता के कारण, निष्ठाहीनता से सुसमाचार का प्रचार करते हैं।

उनमें आत्म-महत्वाकांक्षाएँ हैं। लेकिन उन्होंने कहा, क्योंकि वे मसीह का प्रचार करते हैं, इसलिए मैं इस बात से खुश हूँ। और उन्होंने कहा, हाँ, इस बात से मैं खुश हूँ।

वाह। पॉल ने बताया कि चर्च, अपने घटकों का मिश्रण है, जो अनुग्रह द्वारा बचाए गए पापियों से बना है। यह बढ़ रहा है, प्रयास कर रहा है, और मसीह की सेवा करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

हमें बच्चे को नहाने के पानी के साथ फेंकने में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। यह उन अभिव्यक्तियों में से एक है जो मैंने अमेरिका में सीखी थी और कभी-कभी मैं इसे उल्टा समझ लेता हूँ। आइए हम इस बारे में सोचें कि एक व्यक्ति के जीवन में मसीह कहाँ है।

और आइए देखें कि आखिर में किसकी महिमा हो रही है। आइए देखें कि हमारे लिए क्या निर्देशित किया जा रहा है और मसीह के कारण क्या बढ़ावा दिया जा रहा है। और अगर कुछ हमारे लिए निर्देशित किया जा रहा है, तो वह उतना सकारात्मक नहीं हो सकता है।

लेकिन व्यापक तस्वीर मसीह और मसीह के उद्देश्य को बढ़ावा देने की है। पॉल कहते हैं, मैं आनन्दित हूँ। क्या हम आनन्दित हो सकते हैं यदि ऐसा होता है? पॉल निश्चित है, जैसा कि वह पद 19 में इंगित करता है, कि उसके फिलिप्पी मित्रों की प्रार्थनाओं के माध्यम से, यीशु मसीह की आत्मा की सहायता से, उसके कारावास का परिणाम उद्धार या मुक्ति होगा।

मैं यहाँ-वहाँ कुछ बातों पर चर्चा करने के लिए थोड़ा पीछे आऊँगा, लेकिन मैं आपको यहाँ इनमें से कुछ अभिव्यक्तियों पर नज़र डालने के लिए वापस ले जाऊँगा। शायद हमें उद्धार शब्द पर गौर करना चाहिए। पॉल कहता है कि उसकी कैद का अंत उद्धार में होगा।

उसने पद 18 के अंत में कहा, हाँ, और मैं आनन्दित होऊँगा। पद 19: क्योंकि मैं जानता हूँ कि तुम्हारी प्रार्थनाओं और यीशु मसीह की आत्मा की सहायता से, यह मेरे उद्धार के लिए समाप्त होगा। ग्रीक में यह शब्द वह शब्द है जिसका हम उद्धार के लिए अनुवाद करते हैं।

तो, सवाल विद्वानों का है, और अगर आप टिप्पणी पढ़ते हैं, तो शायद आप बहुत जिज्ञासु व्यक्ति हैं। तथ्य यह है कि आप हमारी बाइबिल अध्ययन श्रृंखला का अनुसरण कर रहे हैं, मुझे लगता है कि आप एक जिज्ञासु व्यक्ति हैं, एक ईसाई जो सीखने और एक बेहतर व्यक्ति बनने की कोशिश कर रहा है। इसलिए, मैं अनुमान लगा रहा हूँ कि आप पहले से ही कुछ टिप्पणियों से परिचित हो सकते हैं।

यदि आप बड़ी टिप्पणियों पर गौर करेंगे, तो आपको आश्चर्य होगा कि न्याय की व्याख्या करने के लिए कितने पृष्ठ समर्पित हैं। मुक्ति या उद्धार शब्द का क्या अर्थ है? जब वह कहता है कि उनकी प्रार्थनाओं और यीशु मसीह की आत्मा की सहायता से, यह मुक्ति बन जाएगा। क्या वह मुकदमे में अपने बरी होने का उल्लेख कर रहा है? कि जब उस पर मुकदमा चलाया जाएगा, तो परमेश्वर उसे बचाएगा।

वास्तव में, सोटेरिया या मोक्ष शब्द का अर्थ वास्तव में बचाया जाना, मुक्त होना, मुक्त होना, मुक्ति पाना हो सकता है। या यह स्वर्गीय न्यायालय में दोषसिद्धि का संदर्भ है? पॉल कहने का एक और तरीका है, मैं जानता हूँ कि मैं जानता हूँ कि मैं जानता हूँ कि मैं जानता हूँ कि जैसे आप मेरे लिए प्रार्थना कर रहे हैं और यीशु मसीह की आत्मा की सहायता मेरे पास है। मैं जानता हूँ कि मैं जानता हूँ कि मैं जानता हूँ कि लंबे समय में परमेश्वर मुझमें महिमावान होगा।

अधिकांश विद्वान इन दोनों के बीच बहस करते हैं और एक या दूसरे को सही ठहराने की कोशिश में बहुत सारे पृष्ठ खर्च करते हैं। लेकिन क्या यह शब्द दोनों को संदर्भित करता है? मुझे एक प्रमुख न्यू टेस्टामेंट विद्वान गॉर्डन फी द्वारा इसका स्पष्टीकरण मिलता है, जो हाल ही में सेवानिवृत्त हुए हैं, जिस तरह से उन्होंने फिलिप्पियों पर अपनी टिप्पणी में इसे समझाया है। वह इसे इस तरह से कहते हैं।

यह पूरा मामला मेरे लिए अंतिम उद्धार और वर्तमान औचित्य सिद्ध करेगा। जब आपकी प्रार्थनाओं और मसीह की आत्मा की आपूर्ति के माध्यम से, मेरी ईमानदारी से की गई अपेक्षा और आशा मेरे परीक्षण में पूरी होगी। और न केवल मुझे शर्मिंदा नहीं किया जाएगा, बल्कि बहुत ही खुले तरीके से, मसीह हर तरह से महिमामंडित होगा।

चाहे मुझे आजीवन कारावास की सजा मिले या मृत्यु दंड, फी के शब्दों में, फी कह रहे हैं कि इस शब्द के दोनों अर्थ हो सकते हैं। कि जब वे उसके लिए प्रार्थना करते हैं और जब मसीह की आत्मा उसकी मदद करती है, तो वह जेल से बच सकता है।

लेकिन चाहे वह जेल से छूटे या न छूटे, उसे पता है कि आशा है। वैसे, पॉल आशा के बारे में इस तरह बात नहीं करता है जैसे कि यह कुछ ऐसा हो जो शायद हो, शायद न हो। यह हो भी सकता है, नहीं भी।

नहीं। पॉल के लिए, आशा भविष्य में ठोस चीज़ है जिसे वह पकड़ने का इंतज़ार कर रहा है। और वह कह रहा है, उनकी प्रार्थनाओं और मदद के ज़रिए, यह उसका हिस्सा हो सकता है।

पॉल अपनी महत्वाकांक्षा को व्यक्त करना जारी रखेगा। अपनी महत्वाकांक्षा में, वह इसे बहुत खुशी के साथ व्यक्त करेगा। क्या आपने इस तथ्य के बारे में सोचा है कि यह आदमी जेल से लिख रहा है? और फिर भी वह पद 20 में लिखता है, जैसा कि मेरी उत्सुक अपेक्षा और आशा है, कि मैं बिल्कुल भी शर्मिंदा नहीं होऊंगा।

लेकिन, हमेशा की तरह अब भी पूरे साहस के साथ, मसीह को मेरे शरीर में सम्मानित किया जाएगा, चाहे जीवन से या मृत्यु से। क्योंकि मेरे लिए, जीना मसीह है, और मरना लाभ है। अगर मुझे शरीर में जीना है, तो इसका मतलब है कि मेरे लिए एक फलदायी जिगर है।

फिर भी, मैं एक चौराहे पर खड़ा हूँ, और मैं यह नहीं बता सकता कि मुझे क्या चुनना चाहिए। मैं दोनों के बीच में फंस गया हूँ। मेरी इच्छा यहाँ से चले जाने की है, लेकिन वह आगे कहेगा, तुम्हारी खातिर, मैं कुछ समय के लिए यहाँ रुकना चाहता हूँ।

पॉल के लिए, खुशी और निश्चय की स्पष्ट भावना है कि प्रार्थनाएँ उसके उद्धार में मदद करेंगी। और उम्मीद और आशा है कि वह मसीह का अपमान नहीं करेगा, बल्कि वह अपने शरीर में मसीह को महिमा या सम्मान दिलाएगा। प्राचीन भूमध्यसागरीय संस्कृति में एक प्रमुख अवधारणा को समझाने के लिए मुझे यहाँ रुकना चाहिए।

सम्मान और शर्म संस्कृति का एक प्रमुख हिस्सा थे। जिसे हम सम्मान कहते हैं। वह सम्मान जो अर्जित किया जाता है।

निर्धारित सम्मान वह सम्मान है जो आपको जन्म से ही मिलता है; आप एक अच्छे परिवार, एक बड़े परिवार में पैदा होते हैं, और आपके पास ये सभी संसाधन हैं जो आपको विरासत में मिले हैं, और आप एक सम्मानित व्यक्ति हैं। और फिर अर्जित सम्मान है, जो एक ऐसा सम्मान है जो आप कुछ महान कार्य करके कमाते हैं। ये सभी संस्कृति में घुलमिल जाते हैं।

दोनों के बीच कोई बहुत बड़ा निहितार्थ नहीं है, लेकिन सम्मान और शर्म प्राचीन भूमध्यसागरीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। सेना में अपनी बटालियन का अपमान करना वर्जित है। अपने पिता का अपमान करना मौत का कारण बन सकता है।

आज भी, हम दुनिया के उन हिस्सों में ऑनर किलिंग के बारे में सुनते हैं, जहाँ अगर कोई महिला किसी खास संस्कृति या धर्म से है और अपने परिवार के किसी सदस्य से शादी करती है, तो ऐसा करना सम्मान की बात नहीं है। ऐसा व्यक्ति परिवार का अपमान करता है। और परिवार का अपमान करने के लिए, मौत ठीक है। वास्तव में, जो व्यक्ति गलत व्यक्ति से शादी करने के कारण अपनी बेटी को मार डालता है, उसे वास्तव में सम्मान का कुछ हद तक सम्मान मिलता है।

बच्चे अपने माता-पिता का सम्मान करने के लिए जीना चाहते हैं। लोग समाज में सम्मान पाने के लिए जीना चाहते हैं। पॉल चाहता है कि उसका अनुभव उस व्यक्ति को सम्मान दिलाए जिसने उसे बुलाया है।

और वह आशा और प्रार्थना कर रहा है कि वह मसीह के नाम को बदनाम न करे जिसका वह प्रचार करता रहा है। वह मसीह के नाम को सार्वजनिक रूप से उपहास या शर्मिंदगी का कारण न बनाए। वह चाहता है कि उसे उसके दुख में सम्मान मिले।

वाह! पॉल की इच्छा। इसी आधार पर वह अपनी इच्छा को स्पष्टता से व्यक्त करता है।

उसके लिए, चाहे वह जीवित रहे या मर जाए, उसे कुछ भी नहीं खोना है। वास्तव में, उसके लिए जीवित रहना, बरी होने की बात कर रहा है। दूसरे शब्दों में, अगर वह अपने मुकदमे से गुजरता है और बरी हो जाता है, तो यह बहुत अच्छी बात है।

खैर, अगर वह नहीं है और उसे मौत की सज़ा सुनाई जाती है, तो यह भी बहुत बढ़िया है। क्योंकि किसी भी तरह से उसके भाग्य में बाधा नहीं आएगी। वास्तव में, अगर वह जीवित रहता, तो उसे प्रभु यीशु मसीह के अच्छे काम को जारी रखने का अवसर मिलता, जिसका सीधा असर फिलिप्पी चर्च पर पड़ता।

अगर वह मर जाता है, तो वह भगवान के पास चला जाता है। वह एक बेहतर जगह पर चला जाता है। शायद उसे ताज भी मिल जाए।

हालाँकि, पॉल का वहाँ रहना ज़रूरी है ताकि वह फिलिप्पी चर्च के लिए और भी ज़्यादा आशीर्वाद बन सके। हाँ, आप यह नहीं सोचना चाहेंगे कि वह यह इसलिए कह रहा है क्योंकि वह कायर है। आप यह नहीं सोचना चाहेंगे कि पॉल इनमें से कुछ बातें इसलिए कह रहा है क्योंकि वह मरना नहीं चाहता।

और हां, मैं मरना नहीं चाहता। लेकिन पॉल जेल में जिस स्थिति में था, उसे देखते हुए, ओह, मौत एक वास्तविक विकल्प है। और अगर आप जेल में बुरे हालात में हैं, तो कभी-कभी आप चाहते हैं कि आप मर जाएं।

लेकिन उसने कहा, मुझे तुम्हारे लिए उसके अपने शब्द पढ़ने दो। मेरे लिए, पद 21 में, जीना मसीह है, और मरना लाभ है। अगर मुझे शरीर में जीना है, तो इसका मतलब है कि मेरे लिए फलदायी श्रम।

फिर भी, मुझे क्या चुनना चाहिए? मैं नहीं बता सकता। मैं दोनों के बीच में उलझा हुआ हूँ। मेरी इच्छा है कि मैं वहाँ से चला जाऊँ और मसीह के साथ रहूँ।

क्योंकि यह तो बहुत ही अच्छा है। परन्तु तुम्हारे लिये शरीर में रहना और भी आवश्यक है। इसलिये मैं जानता हूँ कि मैं तुम्हारे साथ रहूँगा, और विश्वास में तुम्हारी उन्नति और आनन्द के लिये

तुम्हारे साथ रहूंगा; और मेरे तुम्हारे पास आने के कारण मसीह यीशु में घमण्ड करने का तुम्हें पूरा कारण हो।

वाह। पॉल जाना चाहता है; वह फिलिप्पियन चर्च के साथ फिर से जुड़ना चाहता है ताकि अंत में, मसीह, फिर से, मसीह, महिमावान हो। मैं आपको एक कहानी सुनाता हूँ जो मेरी कक्षा में, या मुझे कहना चाहिए, विश्वविद्यालय में मेरे शिक्षण करियर में, शायद लगभग पाँच साल पहले हुई थी।

मैं पॉल को पढ़ा रहा था, और उस दिन मैं फिलिप्पियों के इस भाग को कवर कर रहा था। कक्षा में लगभग 16 या 18 छात्र थे। मैंने देखा कि एक लड़की कोने में बैठी हुई थी, सिसकियाँ ले रही थी और रो रही थी।

मैं सोच रहा था कि क्या हो रहा है, लेकिन मैंने शांत रहने की कोशिश की, प्रोफेसर, इसलिए मैंने बीच में नहीं रोका। मैंने हस्तक्षेप नहीं किया। ये छात्र बाद में कक्षा के तुरंत बाद मेरे कार्यालय में आए क्योंकि मैंने उनसे पूछा था कि वे कैसे हैं, और अगर मैं किसी तरह से उनकी मदद कर सकता हूँ तो वे मुझसे बात कर सकती हैं।

वह मेरे दफ्तर में आई, एक कैथोलिक जेसुइट यूनिवर्सिटी में पढ़ाती थी। मैंने कहा, प्रोफेसर, मैं आपको कुछ बताना चाहता हूँ। उस दिन, वह आत्महत्या करने की योजना बना रही थी।

उसकी सहेली ने आत्महत्या कर ली थी। उसके एक रिश्तेदार ने कुछ समय पहले ही आत्महत्या कर ली थी। उसकी सहेली मुझसे मिलने के समय के इतने करीब थी कि उसने अपने साथ हुई सारी घटनाओं के बारे में सोचा; उस दिन वह खुद आत्महत्या कर सकती थी।

वह कक्षा में आई और बोली, मैंने सुना कि आपने ये शब्द पढ़े हैं: जीना मसीह है, मरना लाभ है। मुझे अचानक एहसास हुआ कि आशा है। मेरी ओर से अपनी जान लेना स्वार्थी होगा, लेकिन मैं बस आपको बताना चाहती हूँ कि मुझे अभी भी चोट लगी हुई है।

मेरे पास आत्महत्या करने के लिए सब कुछ है। मुझे मदद की ज़रूरत है। मैं आपको इस कहानी का संक्षिप्त संस्करण बताता हूँ।

लड़की ने खुदकुशी नहीं की। उसे मसीह में आशा मिली। मैं उसके साथ अपनी बातचीत में भी निश्चित नहीं हूँ।

स्पष्ट रूप से, उस दिन, वह अपना जीवन पूरी तरह से मसीह यीशु को समर्पित करने के लिए तैयार नहीं थी, लेकिन परमेश्वर के वचन में, उसे मरने की आशा नहीं मिली थी। सुसमाचार की शक्ति कई तरीकों से प्रकट होती है। पौलुस ने हमें इस अंश में दिखाया था कि, वास्तव में, जेल की दीवारें सुसमाचार को रोक नहीं सकतीं।

अगर किसी ने सोचा कि पॉल को कैद करने से सुसमाचार को कैद कर लिया जाएगा, तो वे गलत थे। जेल में रहते हुए, जेल के पहरेदारों को मसीह के बारे में पता चला। जेल में रहते हुए, अधिक

लोगों को प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने का साहस मिला, और सुसमाचार के प्रसार के दौरान, हाँ, कुछ लोगों ने स्वार्थी उद्देश्यों और उस सब के कारण मसीह का प्रचार किया, लेकिन पॉल कहते हैं, मैं आनन्दित हूँ।

मसीह का प्रचार किया जाता है। यहाँ, वह आता है और अपनी कहानी बताता है और उनकी प्रार्थनाओं और प्रभु यीशु मसीह की मदद के लिए भगवान का धन्यवाद करता है, और प्रभु यीशु मसीह की मदद से जो कुछ भी मिला है, उसके लिए धन्यवाद देता है। पॉल के लिए जीना मसीह है।

मरना लाभ है। सुसमाचार का संदेश वास्तविक है। प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार की जीवन-परिवर्तनकारी शक्ति समाप्त नहीं हुई है।

यह काम करता है, और नरक के द्वार परमेश्वर जो करना चाहता है उसे रोक नहीं सकते। मैं इस सत्र को एक उद्घरण के साथ समाप्त करना चाहता हूँ जो हमें धीरे-धीरे अगले चरण में ले जाएगा। फिलिप्पियों पर अपनी टिप्पणी में मोइसेस सिल्वा लिखते हैं कि फिलिप्पियों 1, 25 से 26 में, प्रेरित फिलिप्पियों को उनके रिहाई से प्राप्त होने वाले उद्देश्य के एक मार्मिक वर्णन के साथ सांत्वना देते हैं।

विश्वास में उनकी प्रगति, उस विश्वास में उनका आनंद, पौलुस के माध्यम से मसीह में उनकी महिमा का भरपूर होना। पौलुस ने पहले ही पद 12 में सुसमाचार की प्रगति के बारे में बात की थी। अब, वह प्रगति में फिलिप्पियों की भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करता है।

सुसमाचार की उन्नति, प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार, आगे बढ़ रहा है। हाँ, हम पश्चिमी सभ्यता में एक बड़ी चुनौती का सामना कर रहे हैं, लेकिन हमें कोई गलती नहीं करनी चाहिए। पश्चिमी दुनिया से परे, सुसमाचार की शक्ति देखी जा रही है।

जीवन में बदलाव आ रहे हैं। परमेश्वर जो कर सकता है, उसे कोई रोक नहीं सकता। नशे के आदी लोग अपने जीवन में बदलाव देख रहे हैं और उन्हें बचाया जा रहा है।

मैंने बहुत सी मूर्तियाँ जलाई हैं क्योंकि बुतपरस्त उपासक अपना जीवन मसीह को दे रहे हैं। हाँ, जेल पॉल को नहीं रोक सका, और आज, अगर हम मसीह के अनुयायी, वफादार अनुयायी और प्रचारक हैं तो हमें कुछ भी नहीं रोक सकता। जब हम ऐसा करते हैं, तो आइए याद रखें कि कुछ लोग स्वार्थी उद्देश्यों से ऐसा कर सकते हैं।

आइए हम उनके साथ धैर्य रखें। आइए हम अनुग्रह दिखाएँ। आइए हम मसीह को उनके जीवन में काम करने दें, और अंत में, वह, मसीह, महिमावान होगा।

फिर से, बाइबिल अध्ययन पर हमारे पाठ्यक्रम का पालन करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, और मुझे आशा है कि जैसे-जैसे हम फिलिप्पियों को पढ़ते हैं, आप न केवल इसे अवधारणा बना रहे हैं, बल्कि आप इसे आत्मसात भी कर रहे हैं। आप एक नया जीवन देखना शुरू कर रहे हैं जिसे जिया जा सकता है, एक ऐसा जीवन जो महिमा और प्रशंसा से भरा है

जिसकी हम सेवा करते हैं और जिसे हम अपना प्रभु और स्वामी, यीशु मसीह कहते हैं। फिर से, इसे पालन करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

यह डॉ. डैन डार्को और जेल पत्रों पर उनकी व्याख्यान श्रृंखला है। यह सत्र 10, सुसमाचार का विस्तार, फिलिप्पियों 1 है।